अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2022

परीक्षा का नाम : अलंकार पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : तबला-पखावज

दि. 20/11/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 100

सूचना : 1) प्रश्न क्र. 2 अनिवार्य है ।
2) अन्य छः प्रश्नों में से चार प्रश्न हल किजिए ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र. 1 अ) बहुविकल्पीय प्रश्न। (10)

1) 'टप्पा गायन' के संगति के लिए निम्न में से कौन से ताल का उपयोग होता है?
(A) तीनताल (B) अध्धा
(C) दीपचंदी (D) टप्पा

2) 'फरशबंदी' प्रमुखत: कौनसे रचनाप्रकार में दिखायी देती है?
(A) पेशकार (B) गत
(C) रेला (D) इनमें से कोई नही ।

3) निम्नलिखित में से कौनसे प्रकार का वादन अणुद्रुत लय में किया जाता है?
(A) रजाखानी गत (B) चोटा ख्याल
(C) झाला (D) आमद

4) निम्नलिखित में से कौनसा ताल विलंबित ख्याल गायन के लिए उपयुक्त होता है?
(A) दीपचंदी (B) झुमरा
(C) धमार (D) आडाचौताल

5) 'तबला कौमुदी' के ग्रंथकार कौन है?
(A) स्वामी पागलदास (B) पं. मन्नुजी मृदंगाचार्य
(C) पं. दत्तोपंत मंगळवेढेकर (D) इनमें से कोई नही ।

6) 14 मात्रा की ताल में बेदम तिहाई हेतु तिहाई का एक पल्ला ('धा' सहित) कितनी मात्रा का होना चाहिए ?

(A) $4\frac{1}{4}$ (B) $4\frac{1}{2}$

(C) $4\frac{3}{4}$ (D) 4

7) निम्नलिखित कौनसे ताल में बेदम तिहाई नहीं हो पाती ?

(A) तीनताल (B) जयताल

(C) रुद्रताल (D) इनमें से कोई नहीं ।

8) निम्न में से कौनसे विद्वान कलाकार फर्रुखाबाद घराने के खलिफा थे ?

(A) उ. हाजी विलायत अली खाँ (B) उ. थिरकवाँ खाँ

(C) उ. मुनीर खाँ (D) उ. अमीरहुसेन खाँ

9) 'तबला' के ग्रंथकार कौन है ?

(A) पं. अरविंद मुळगांवकर (B) पं. सुधीर माईणकर

(C) पं. जानकी प्रसाद (D) इनमें से कोई नहीं ।

10) काली 2 का मध्यम स्वर कौनसा होता है ?

(A) काली 3 (B) काली 4

(C) काली 5 (D) सफेद 4

ब) **सही जोडियाँ मिलाये।** **(10)**

1) तराना	सा) लय के चार दर्जे
2) ठेका–भरी	रे) अजराडा
3) 9 'धा'	ग) फरमाईशी चक्रदार
4) आदेशी परन	म) किराना घराना
5) त्रिपल्ली	प) लखनौ
6) पं. भिमसेन जोशी	ध) संवादिनी
7) चौपल्ली	नि) अविस्तारक्षम रचना
8) 'खाली' का अलग विचार	सां) अतिद्रुत लय
9) सुषिर वाद्य	रें) पखावज
10) खुलाबाज –आद्य घराना	गं) वि. ख्याल गायन

प्र. 2 लिपिबद्ध । (कोई भी चार) **(20)**

अ) दस मात्रा की ताल मे एक दिल्ली घराने का चतस्र जाती का कायदा

ब) बारह मात्रा की ताल मे एक पेशकार

क) चौदह मात्रा की ताल मे एक रेला तथा तिहाई

ड) सोलह मात्रा की ताल मे एक तिस्र जाती का कायदा

इ) दस मात्रा के ताल की आडलय एक ही आवर्तन मे

प्र. 3 किसी एक विषय पर अपने विचार लिखिए । **(20)**

अ) समान मात्राओं के तालों की संगीत मे उपयोगीता

ब) 'आदर्श साथसंगत' इस विषय पर अपने विचार विस्तार से प्रकट करे ।

प्र. 4 सोदाहरण समझाईये (कोई भी चार) **(20)**

अ) कोआड लयकारी

ब) पेशकारोंके विभिन्न घरानेदार प्रकार

क) रियाज के विविध प्रकार

ड) दिल्ली / पूरब घरानोंकी विशेषताएँ

इ) तबला / पखावज वादन मे नवनिर्मिती

प्र. 5 'संगीत में रस निष्पती' तथा उस का लय से क्या संबंध है । **(20)**

प्र. 6 संक्षिप्त टिप्पणी किजीये (किन्ही दो) **(10+10=10)**

अ) घरानेदार तबला / पखावज वादन की परंपरा कायम रखना आवश्यक है ।

ब) ताल के दशप्राणों की जानकारी

3) चक्रदार के विभिन्न प्रकार

प्र. 7 निम्नलिखित में से किन्ही दो वादक कलाकारोंका (10+10=20)
जीवन परिचय एवं योगदान की जानकारी दिजिए

तबला विद्यार्थी

1) उ. बक्षुखाँ

2) उ. हाजी विलायत अली

3) पं. राम सहाय

पखावज विद्यार्थी :

1) पं. अंबादासपंत आगले

2) पं. दत्तोपंत मंगळवेढेकर

3) पं. मनुजी मृदंगाचार्य